

B.A. 6th SEMESTER (HONOURS) EXAMINATION, 2021 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CCXIV

Time : 3 hours

Full Marks : 60

The figures in the right hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give the answers in their own words as far as practicable.

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथेच्छं षट् प्रश्नाः समाधेयाः। तत्र यत् किञ्चन द्वितयं सुरगिरा उपस्थाप्यताम्।
(निचेर ये कोन छयटि प्रश्नेर उन्तर दाओ। सेखाने ये-कोन दुटि प्रश्नेर उन्तर संस्कृते दिते हवे।) 5×6=30
- a) 'बनम् उपवसति' 'बने उपवसति' चेतनयोः वाक्ययोः भेदः सूत्रमाश्रित्य व्याकरणगोक्तदिशा विचार्यताम्।
(सूत्रेर आलोके व्याकरणेर दृष्टिते उक्त दुटि वाक्येर पार्थक्य विचार कर।)
- b) कलिङ्गदेशे यज्जसोम नामे एक ब्रह्मण थाकत। तार स्त्रीर नाम छिल सोमदत्ता। —इति वाक्यद्वयं संस्कृतभाषया अनुदयताम्। (वाक्यदुटिर संस्कृते अनुवाद कर।)
- c) 'फलमपीह हेतुः। अध्ययनेन वसति'—इति दीक्षितोक्तिः व्याख्यायताम्। ('फलम्-' इत्यादि दीक्षितोक्ति व्याख्या कर।)
- d) 'कर्तुः किम्? माघेष्वं वध्नाति'—इति भट्टोजिबचनं विचार्यताम्। ('कर्तुः-' इत्यादि भट्टोजिबचन विचार कर।)
- e) 'रुच्यर्थानां प्रीयमाणः' इति सूत्रं दीक्षितोक्तदिशा व्याख्यायताम्। ('रुच्यर्थानां-' इत्यादि सूत्रेदिर दीक्षितानुसारी व्याख्या कर।)
- f) अधोलिखितयोः रेखांकितयोः पदयोः विभक्तिं सकारणं सूत्रमाश्रित्य लिखत—
i. पुत्रेण सह आगतः पिता ii. फलेभ्यो याति। (दुटि वाक्ये रेखांकित पदेर विभक्तिर सूत्रानुसारी कारण देखाओ।)
- g. अस्ति ब्रह्मारण्ये कर्पूरतिलको नाम हस्ती। तमवलोक्य सर्वे शृगालाश्चिन्तयन्ति स्म—यद्ययं केनाप्युपायेन म्रियते तदास्माकमेतद्देहेन मासचतुष्टयस्य श्वेच्छया भोजनं भविष्यति। तत्र एकेन बृहशृगालेन प्रतिज्ज्ञातम् यत् मया बुद्धिप्रभावस्य मरणं साधयितव्यम् इति।— उपरितनं सन्दर्भमनुसृत्य अधोलिखिताः प्रश्नाः सुरगिरा समाधीयन्ताम्। (उपरेर अनुच्छेद अनुसरणे निचेर प्रश्नगुलिर संस्कृते उन्तर दाओ।) 1+2+2=5
i) हस्तिनो नाम किम्? ii) तं दृष्ट्वा शृगालाः किमचिन्तयन्? iii) तत्र बृहशृगालेन किमुक्तम्?
- h. कश्चन मन्त्री जनकराजमपृच्छत्—'महाराज! देहधारी अपि भवान् विदेही इति किमर्थं निर्दिशते? इति। राजोवाच—'एतस्य उन्तरं पश्चात् कथयिष्यामि' इति। ततः राजा कथितं भटम् आदिशत्—'नगरे इयं वार्ता प्रसार्यतां यत् कस्यचित् अपराधस्य निमित्तमद्य सायं मन्त्रिणः शूलारोपणं भविष्यति' इति। तदनु राजा तस्मै मन्त्रिणे मध्याह्नभोजनार्थं निमन्त्रणं प्रेषितवान्।
राजः निमन्त्रणम् उपेक्षितुं न शक्यम् इत्यतः विषग्लोहपि मन्त्री राजप्रासादे गतवान्। भोजनात् परं मन्त्री सविषादं राजानमुवाच—'महाराज! शूलारोपणवार्तां श्रुत्वा मया भोजनावसरे लवणयुक्तं लवणराहित्यं वा न लक्षितम्' इति।

মহারাজঃ অবদৎ—মন্ত্রিবর্য! সায়ং মৃত্যুঃ ভবিষ্যতি ইতি কৃত্বা ভবান্ ভোজনকালে দেহী সন্নপি বিদেহী
জাতঃ। অহং তু দেহস্য অস্তিত্ববিষয়ে শঙ্কান্ ন। ততঃ জনা মাং বিদেহিনং বদন্তি' ইতি।
উদীরিতমনুচ্ছেদং মনসি নিধায় নিম্নোক্তানাং প্রশ্নানামুত্তরং সুরগিরা দেয়ম্। (উপরোক্ত সন্দর্ভ অনুসরণপূর্বক
নিচের প্রশ্নগুলির উত্তর সংস্কৃতে লেখ।)

- i) মন্ত্রী জনকরাজং কিমপৃচ্ছৎ? 1
- ii) রাজা ভটং কিমাদিশৎ? 1
- iii) খাদ্যে কথং কোহপি স্বাদঃ ন প্রাপ্তঃ মন্ত্রিণা? 1
- iv) জনকঃ কথং বিদেহী ইত্যুচ্যতে? 2

2. অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু যথাকামং ত্রয়াণাং প্রশ্নানামুত্তরং দেয়ম্।

(নিচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোন তিনটি প্রশ্নের উত্তর দাও।)

10×3=30

- a) অপাদানকারকপরামর্শকং প্রধানং সূত্রং কিম্? তদ্বিধায়কম্ অন্যৎ সূত্রচতুষ্টয়মপি সোদাহরণং
দীক্ষিতোক্তদিশা ব্যাখ্যায়তাম্। (অপাদানকারকের প্রধান সূত্রটি কী? সেই কারক বিধায়ক অন্য আরো
চারটি সূত্রের দীক্ষিতানুসারী সোদাহরণ ব্যাখ্যা কর।)
- b) কর্মপ্রবচনীয়বিধায়কানি পঞ্চ সূত্রানি পর্যালোচ্যন্তাম্। (কর্মপ্রবচনীয়বিধায়ক ৫টি সূত্র ব্যাখ্যা কর।)
- c) অধোনির্দিষ্টং সূত্রদ্বয়ং ব্যাখ্যেয়ম্—(নিচের সূত্রদুটি ব্যাখ্যা কর।)
i) অধিশীল্গ্হাসাং কর্ম ii) স্পৃহেরীক্ষিতঃ।
- d) কোভিড-ভিয়া আতঙ্কিতাঃ সর্বে ইতি বিষয়মাধারীকৃত্য কাচন বিবরণী সুরগিরা লেখনীয়া।
(কোরোনায় সবাই আতঙ্কিত—এই বিষয়ে একটি রিপোর্ট সংস্কৃতে লেখ।)
- e) বেঙ্গালুরুনগরে অক্ষরভবনে ফেব্রুয়ারীমাসস্য ১৮দিনাক্ষতঃ ২৭ দিনাক্ষপর্যন্তং সংস্কৃতসম্ভাষণশিবিরং
প্রাচলৎ। তস্য অনুষ্ঠানবিবরণী সুরগিরা দেয়া। (বেঙ্গালুরুতে অক্ষরভবনে ১৮ থেকে ২৭ ফেব্রুয়ারী
পর্যন্ত যে সংস্কৃত-সম্ভাষণের শিবির হয়েছিল তার বিবরণ সংস্কৃতে লেখ।)